Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

# मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–4

## प्राथमिक क्रियाएँ

भाग - 2

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से कौन - कौन से विकल्प आर्थिक क्रियाओं के प्रकार है ?

(a) प्राथमिक
(b) द्वितीयक
(c) तृतीयक
(d) चतुर्थक
(e) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- 'ब्लू कॉलर श्रमिक' किस आर्थिक-
क्रिया से जुड़े लोगों को कहते है?

(a) प्राथमिक
(b) द्वितीयक
(c) तृतीयक
(d) चतुर्थक

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्र:- निम्न में से कौन-सा विकल्प प्राथमिक - क्रिया के अंतर्गत नहीं आता ?

(a) कृषि ✓
(b) खनन ✓
(c) परिबहन
(d) आखेट व भोजन संग्रह ✓

नहीं / गलत

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

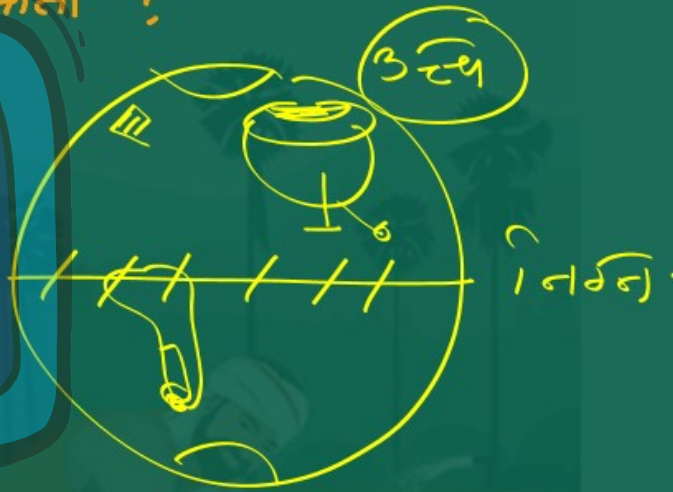
प्र:- निम्न में कौनसा क्षेत्र उच्च-अक्षांश क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता ?

(a) उत्तरी कनाडा ✓

(b) उत्तरी यूरेशिया ✓

(c) दक्षिणी चिली

(d) दक्षिण - पूर्वी एशिया ✓



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्र :- चलवासी पशुचारण क्षेत्रों में भेड़, बकरी और ऊँट मुख्य रूप से कहाँ पाए जाते हैं?

(a) यूरेशिया के टुण्ड्रा प्रदेश

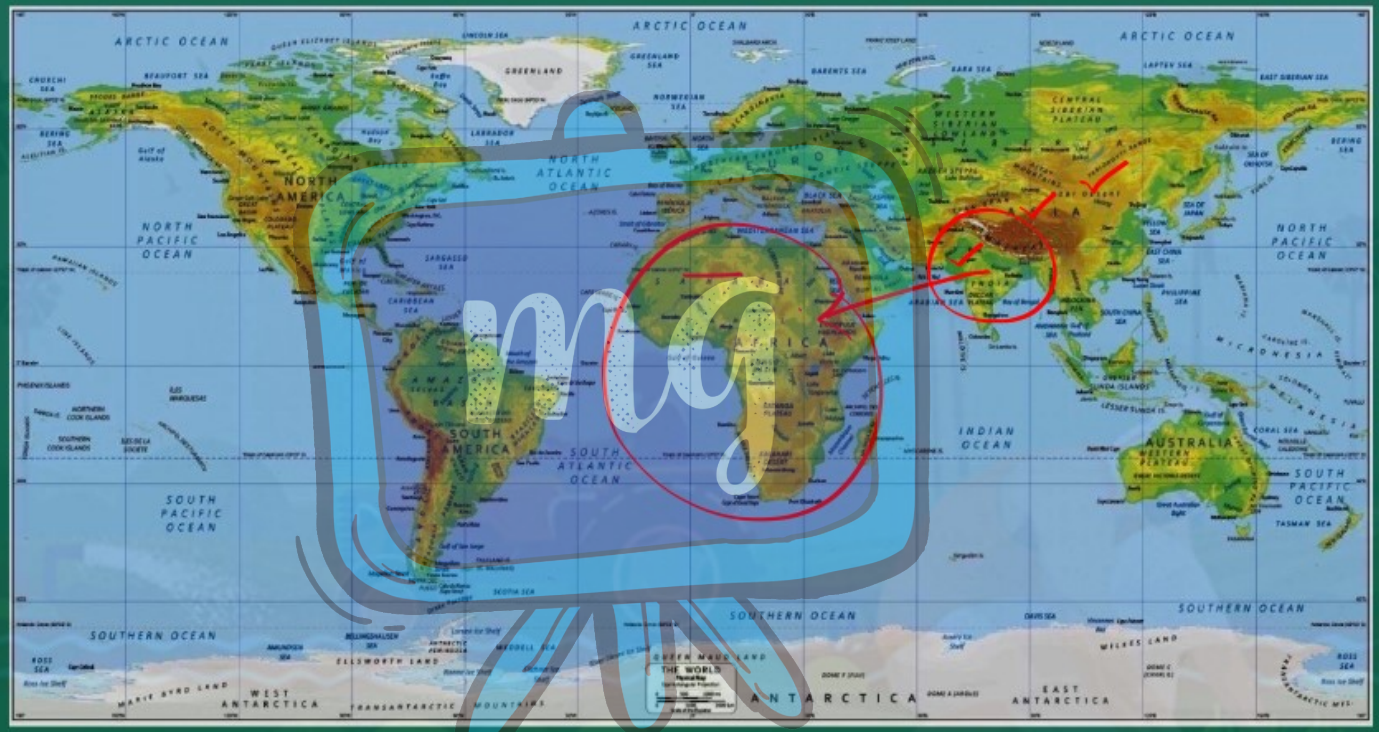
(b) तिब्बत का पर्वतीय भाग

(c) आर्कटिक क्षेत्र

(d) अफ्रीका व एशिया के मरुस्थल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्र:- हिमालय के पर्वतीय - क्षेत्रो में चलवासी - पशुचारण की प्रमुख जनजातियाँ है :-

(a) गुज्जर

(b) बक्करवाल

(c) गद्दी

(d) भूटिया

(e) उपर्युक्त सभी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

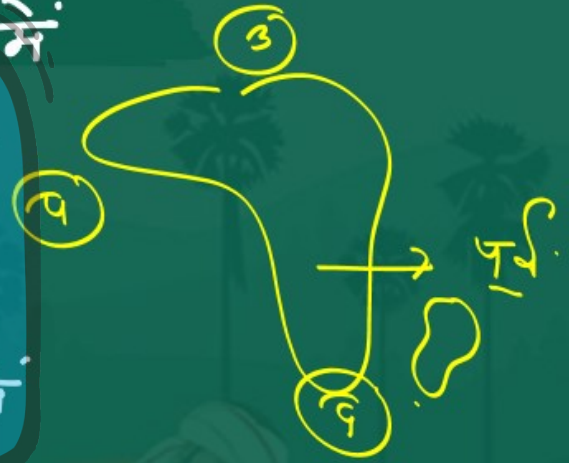
Q :- मेडागास्कर द्वीप कहां स्थित है ?

(a) दक्षिण - एशिया के पूर्व में

(b) अफ्रीका के पश्चिम में

(c) अफ्रीका के पूर्व में

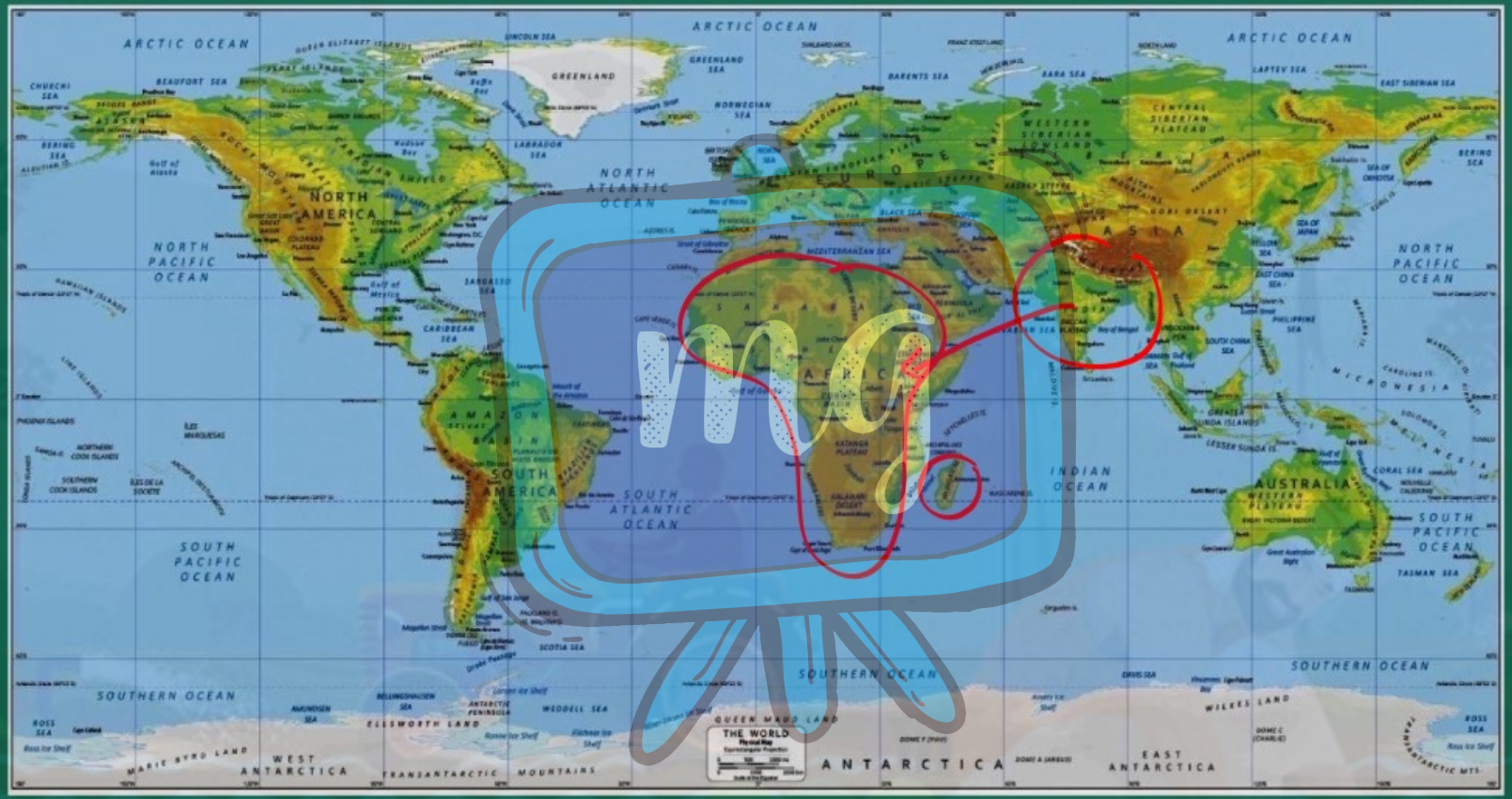
(d) अटलांटिक महासागर में





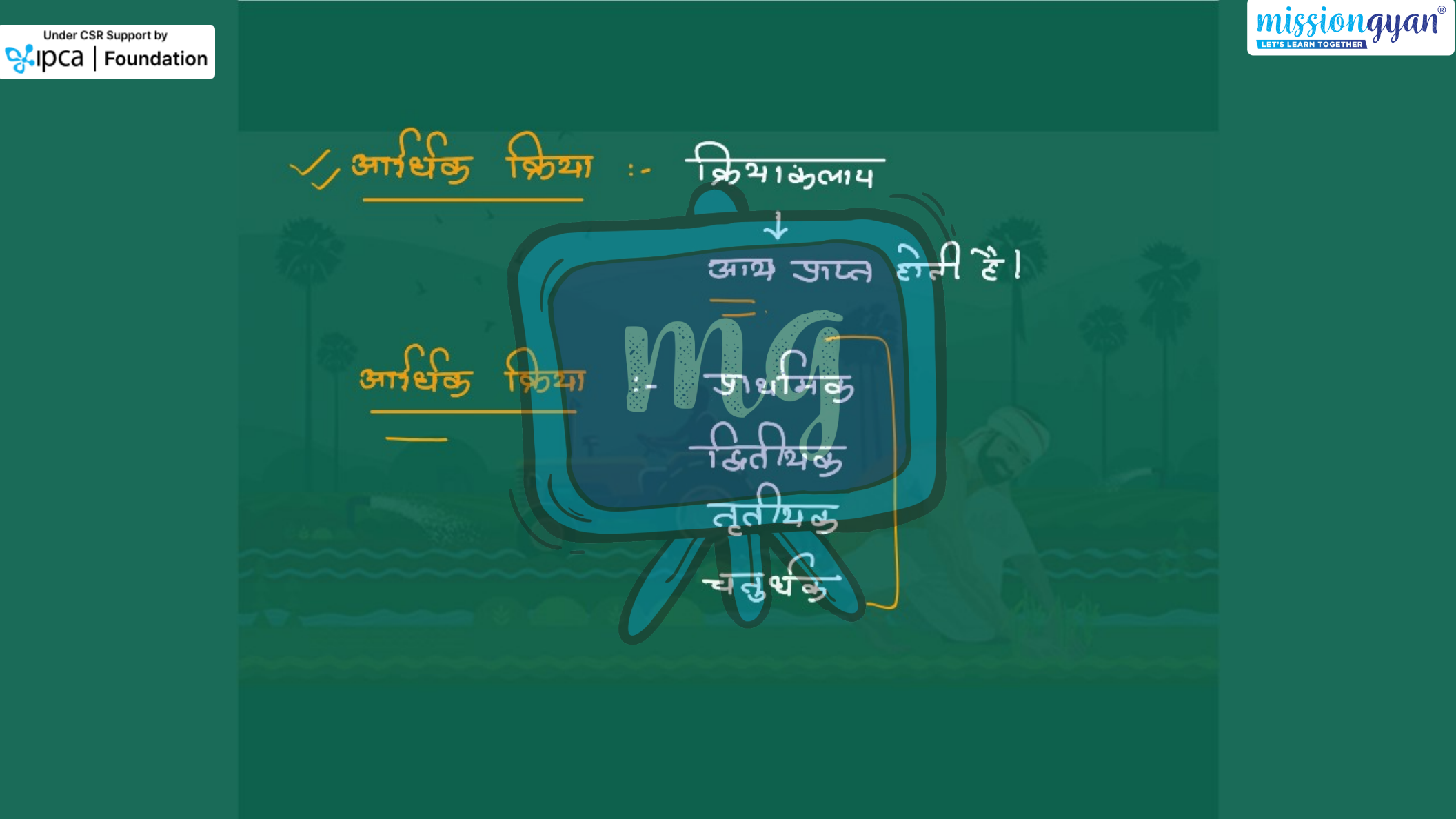

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



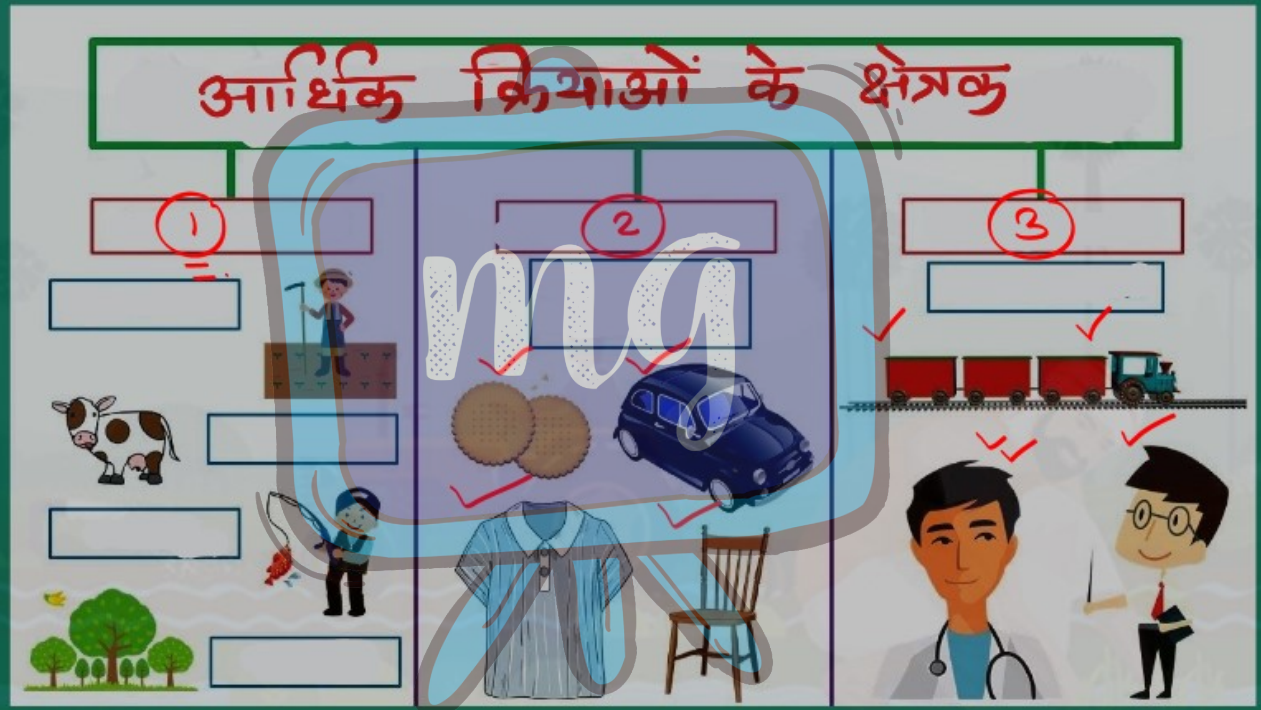
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

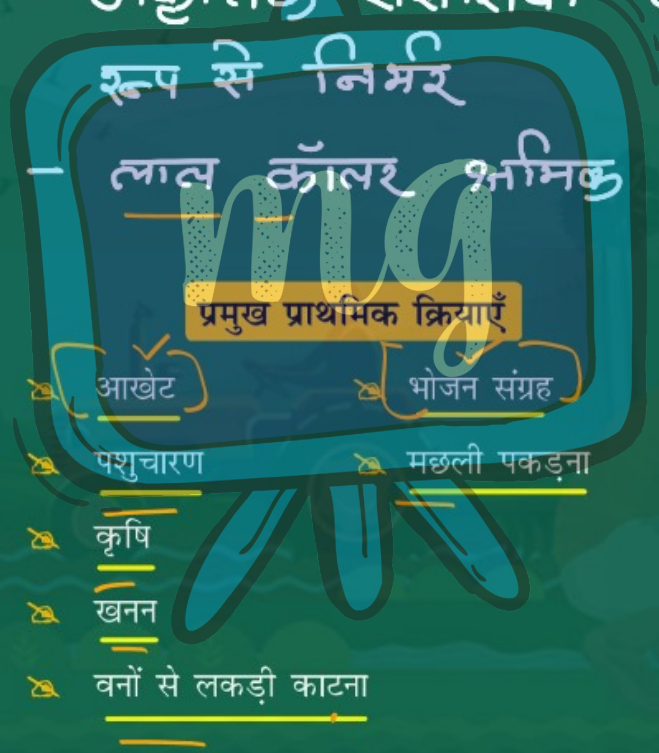


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# प्राथमिक क्रियाएं :-

- प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर
- लगभग कॉलर श्रमिक



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



## 2. पशुचारण

भौगोलिक कारकों एवं तकनीकी विकास के आधार पर वर्तमान समय में पशुपालन व्यवसाय निर्वहन अथवा व्यापारिक स्तर पर किया जाता है।

### पशुचारण के प्रकार

(i) चलवासी पशुचारण

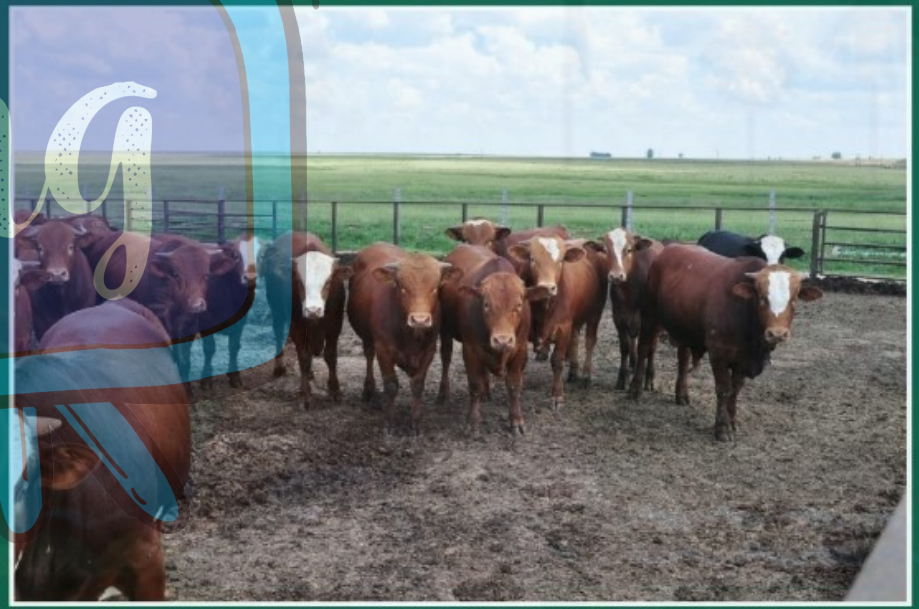
(ii) वाणिज्य पशुधन पालन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) वाणिज्य पशुधन पालन





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



## वाणिज्य पशुधन पालन की विशेषताएँ

- चलवासी पशुचारण की अपेक्षा वाणिज्य पशुधन पालन अधिक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान है।
- वाणिज्य पशुधन पालन पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है एवं फार्म भी स्थायी होते है।
- चराई को नियंत्रित करने के लिए इन्हें बाड़ लगाकर एक दूसरे से अलग कर दिया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- यह एक विशिष्ट गतिविधि है, जिसमें केवल एक ही प्रकार के पशु पाले जाते हैं।
- प्रमुख पशुओं में भेड़, बकरी, गाय-बैल एवं घोड़े हैं।
- इनसे प्राप्त मांस, खालें एवं ऊन को वैज्ञानिक ढंग से संसाधित एवं डिब्बा बंद कर विश्व के बाजारों में निर्यात कर दिया जाता है।
- पशुफार्म में पशुधन पालन वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




इसमें मुख्य ध्यान पशुओं के प्रजनन, जननिक सुधार, बीमारियों पर नियंत्रण एवं उनके स्वास्थ्य पर दिया जाता है।

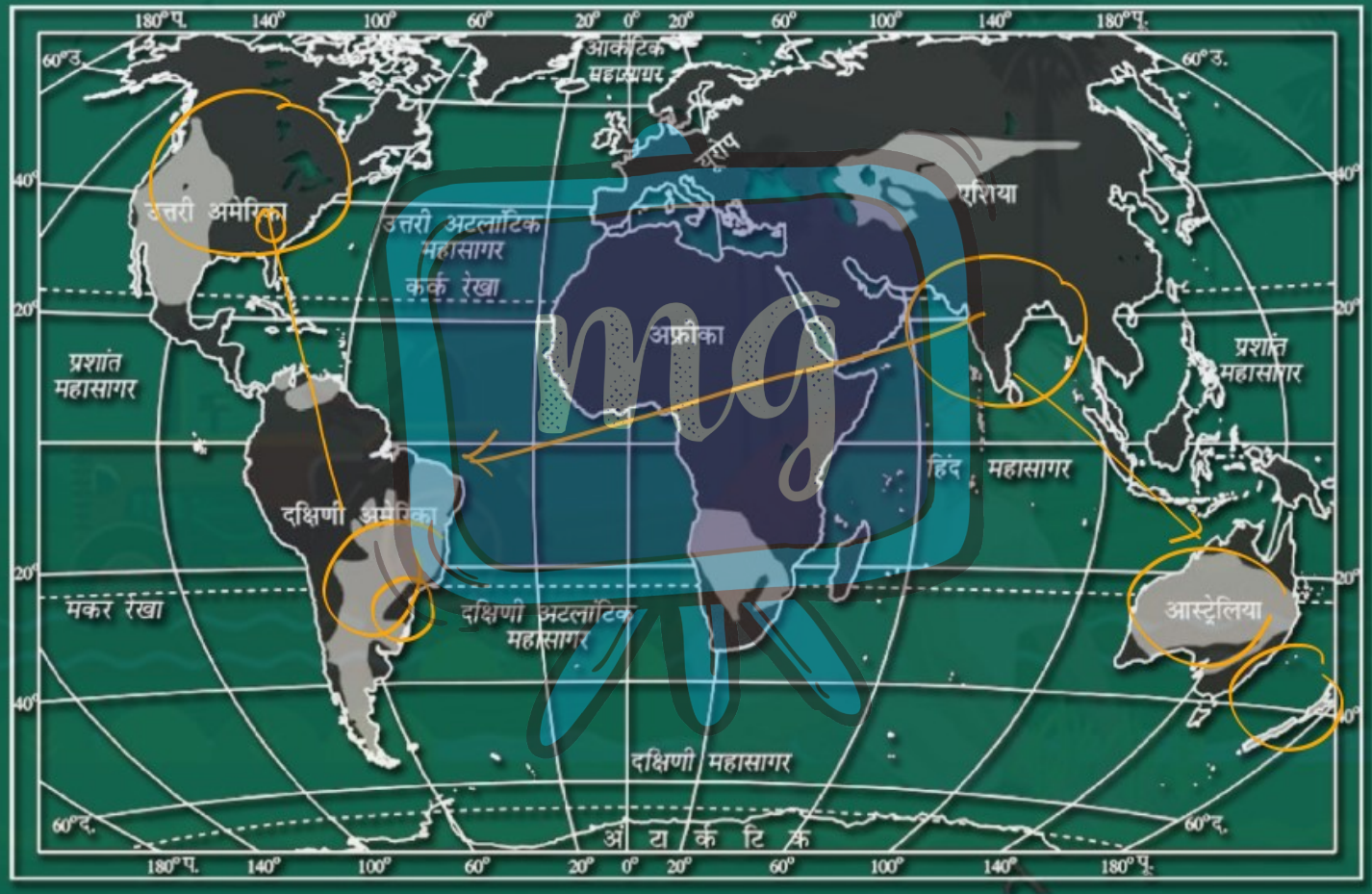
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



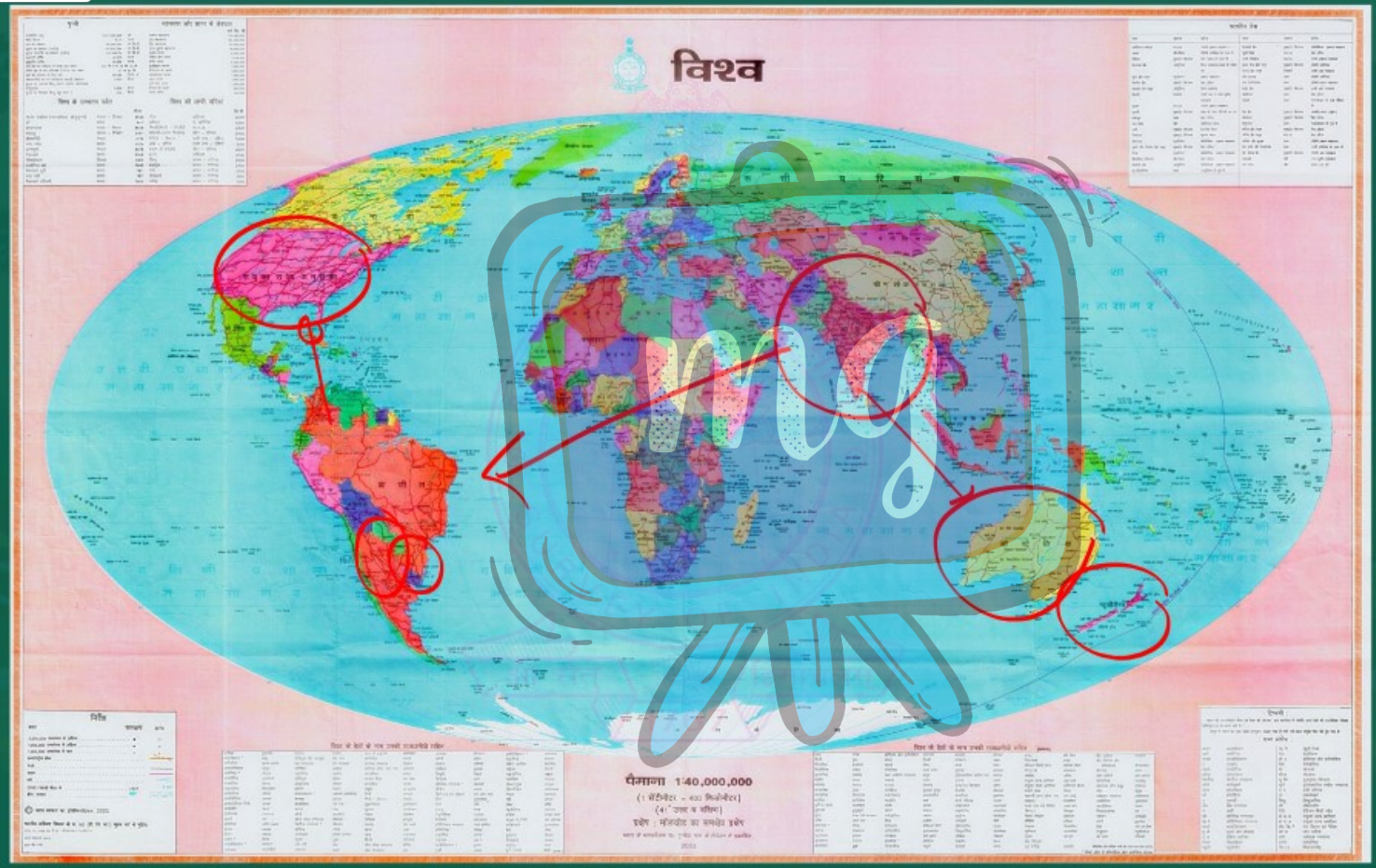
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



## प्रमुख प्राथमिक क्रियाएँ

- आखेट
- पशुचारण
- कृषि
- खनन
- वनों से लकड़ी काटना
- भोजन संग्रह
- मछली पकड़ना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# कृषि













Under CSR Support by
ipca | Foundation

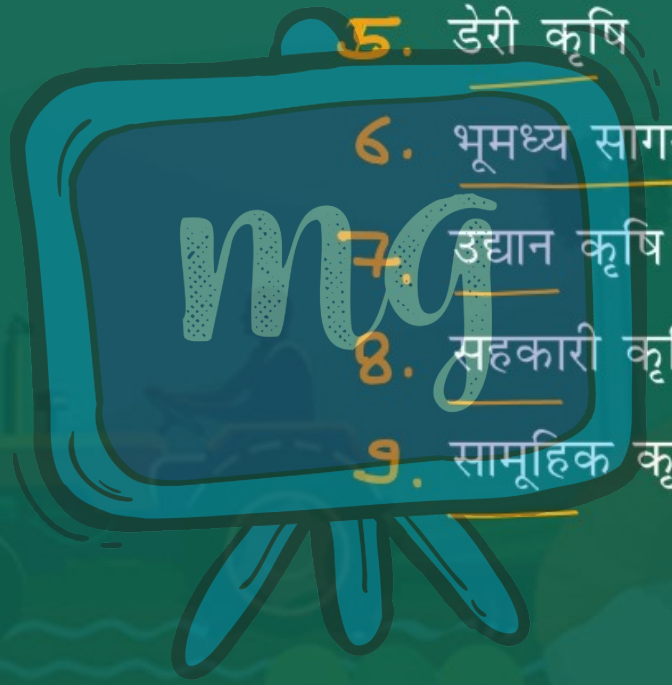
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## विश्व की प्रमुख कृषि प्रणालियाँ

1. निर्वाह कृषि
   - आदिकालीन निर्वाह कृषि
   - गहन निर्वाह कृषि
2. रोपण कृषि
3. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
4. मिश्रित कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



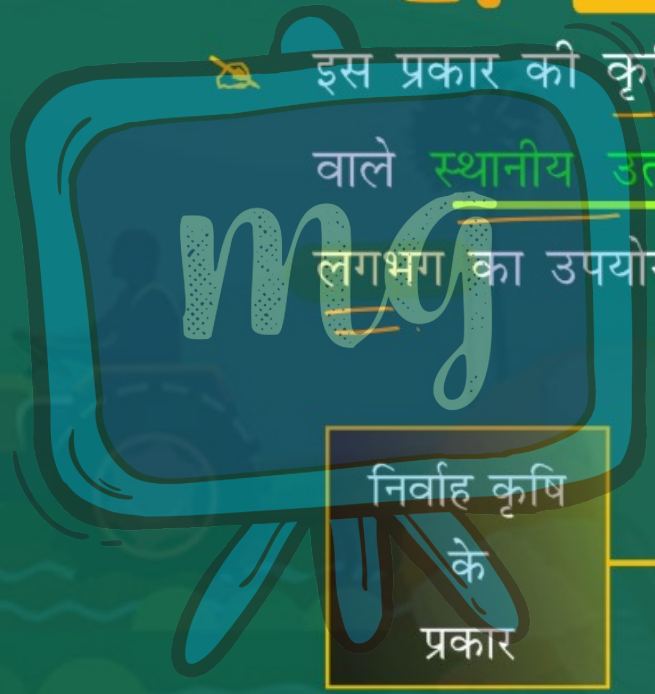
5. डेरी कृषि
6. भूमध्य सागरीय कृषि
7. उद्यान कृषि
8. सहकारी कृषि
9. सामूहिक कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## 1. निर्वाह कृषि

इस प्रकार की कृषि में कृषि क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय उत्पादों का संपूर्ण अथवा लगभग का उपयोग करते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## (i) आदिकालीन निर्वाह कृषि

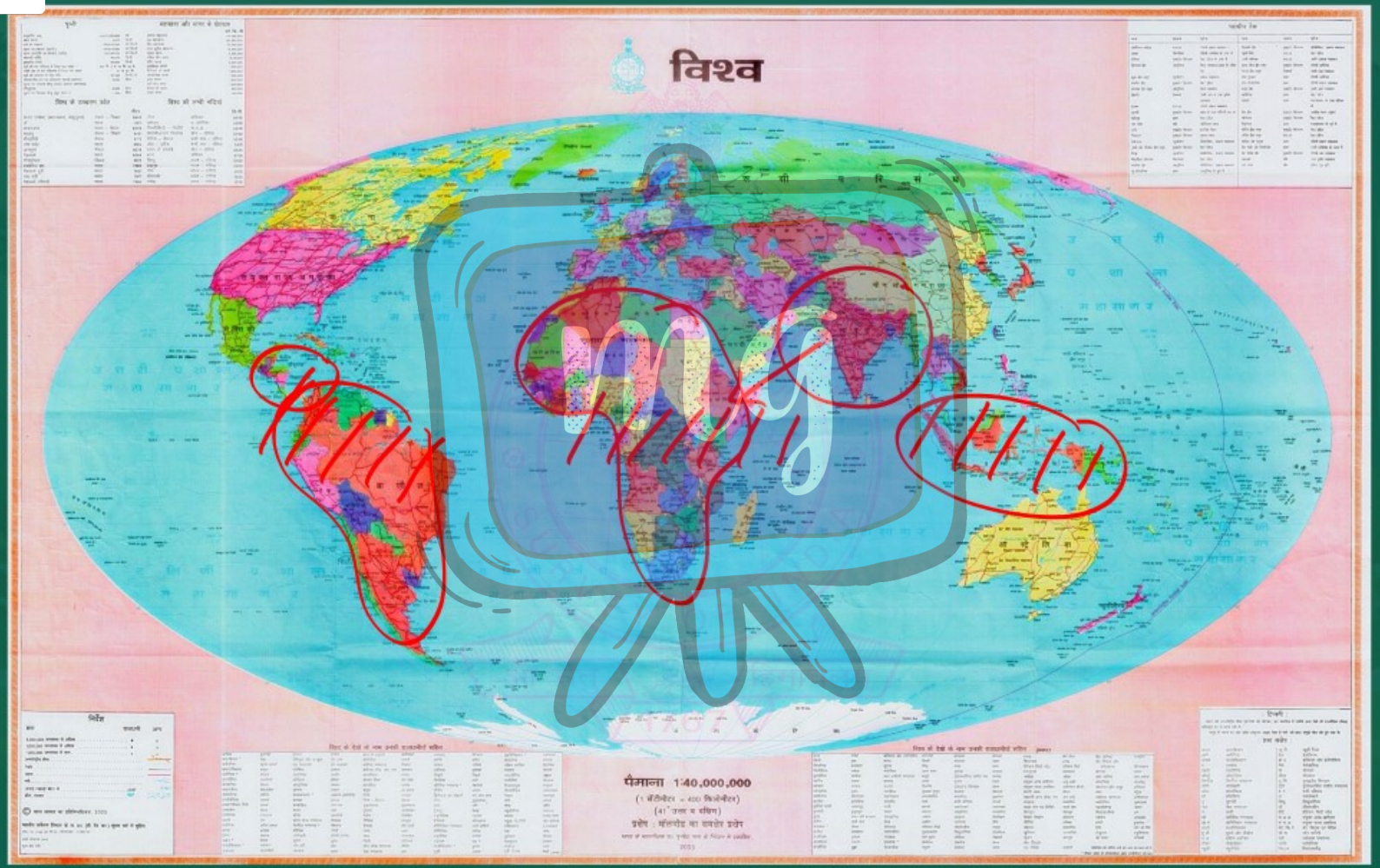
- आदिकालीन निर्वाह कृषि अथवा स्थानांतरणशील कृषि कार्य उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में किया जाता है।

प्रमुख क्षेत्र

- अफ्रीका, दक्षिणी एवं मध्य अमेरिका का उष्णकटिबंधीय भाग एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया।

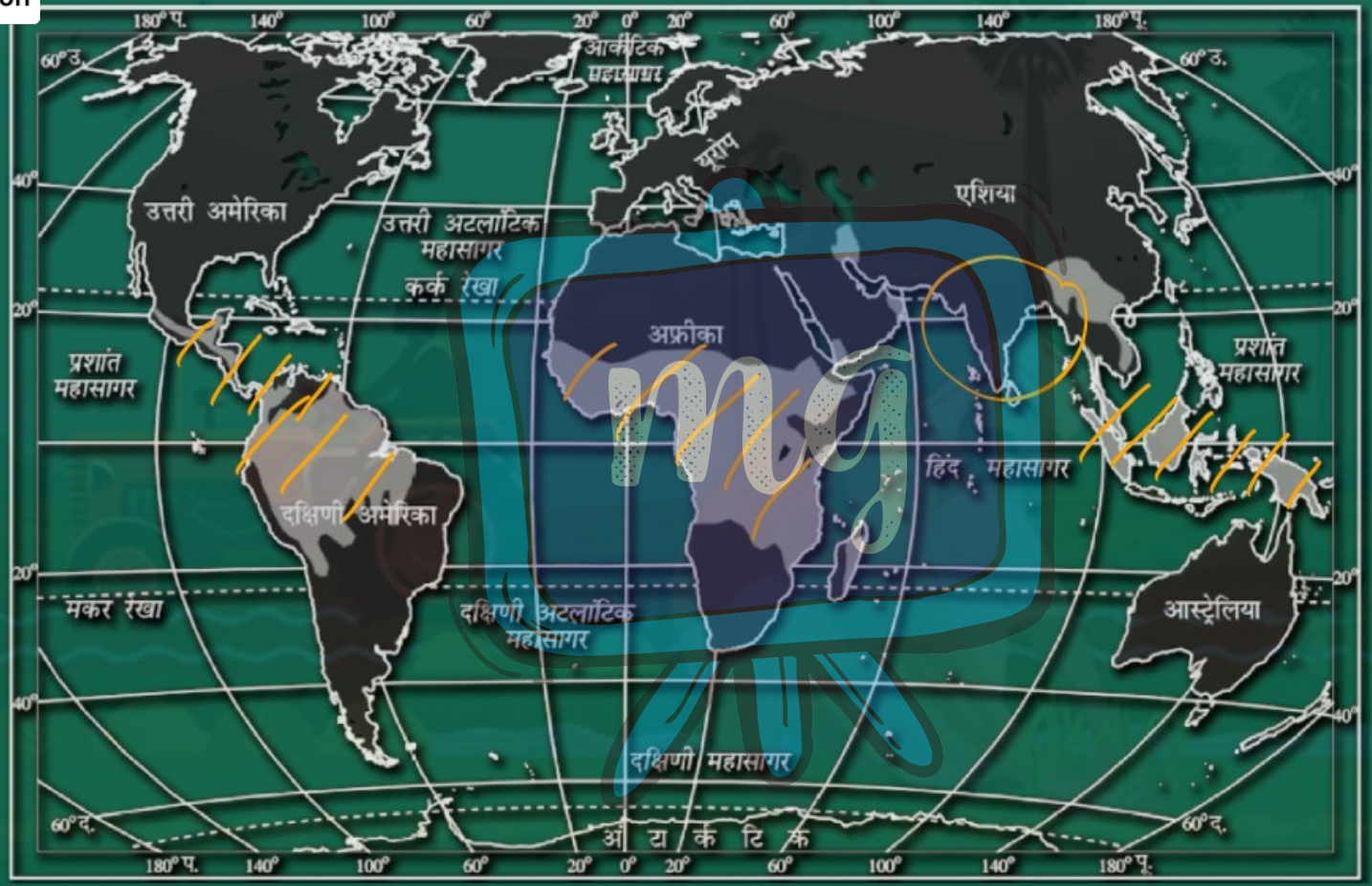
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## प्रमुख विशेषताएँ





- सर्वप्रथम इन क्षेत्रों की वनस्पति को काटा जाता है फिर उसे जला दिया जाता है एवं जली हुई राख की परत उर्वरक का कार्य करती है।
- इस प्रकार स्थानांतरणशील कृषि कर्तन एवं दहन कृषि भी कहलाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इसमें बोए गए खेत बहुत छोटे-छोटे होते हैं एवं खेती भी पुराने औजार जैसे लकड़ी, कुदाली एवं फावड़े द्वारा की जाती है। कुछ समय पश्चात् (3 से 5 वर्ष) जब मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त हो जाता है, तब कृषक नए क्षेत्र में वन जलाकर कृषि के लिए भूमि तैयार करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कुछ समय पश्चात् कृषक वापस पहले वाले कृषि क्षेत्र पर कृषि कार्य करने आ जाता है।

इस कृषि कार्य में सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस क्षेत्र में भूमि की उर्वरता कम होती जाती है जिससे झूम का चक्र (आग लगाकर कृषि क्षेत्र तैयार करना) छोटा होता जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

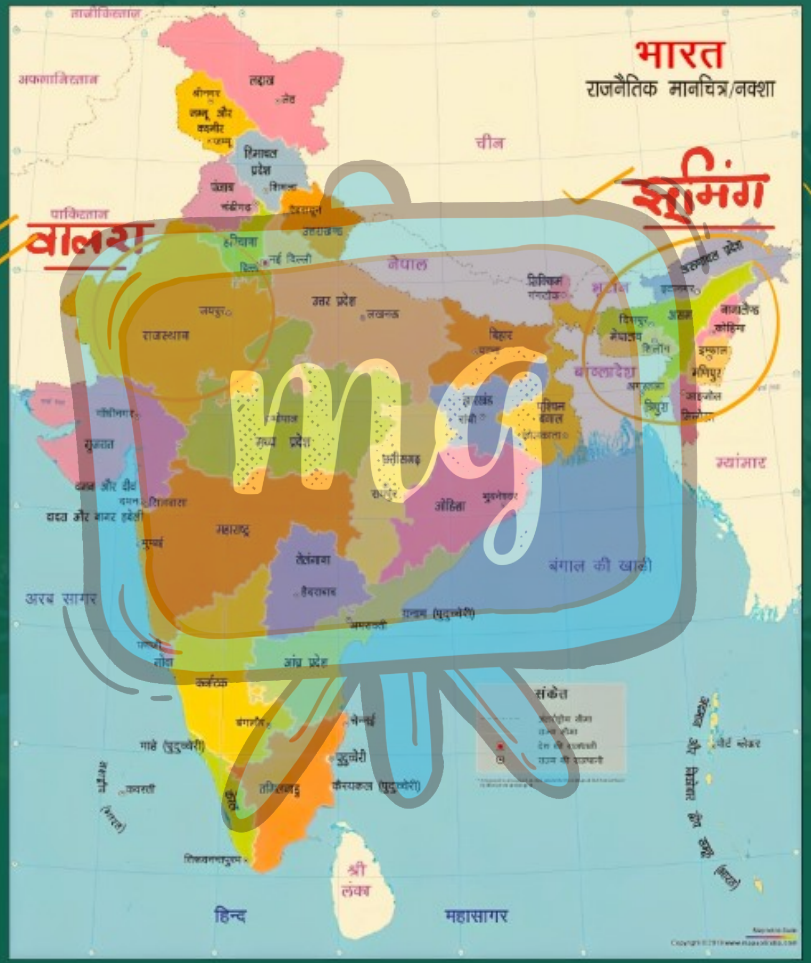


## अनेक नाम

- भारत के उत्तरी पूर्वी राज्यों – झूमिंग
- मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको –मिल्पा
- मलेशिया व इंडोनेशिया – लादांग
- वियतनाम – रे
- राजस्थान – वालरा

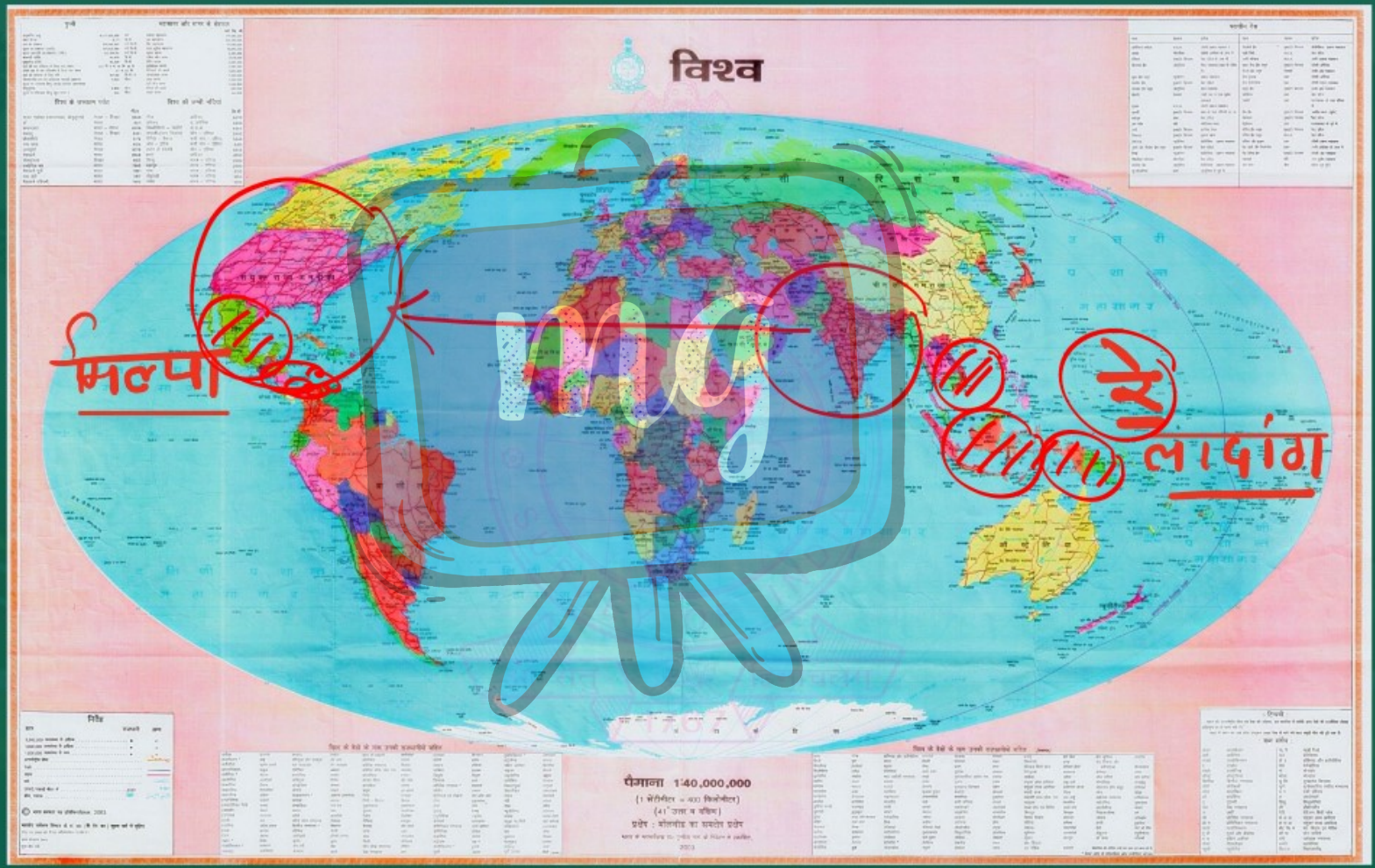
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

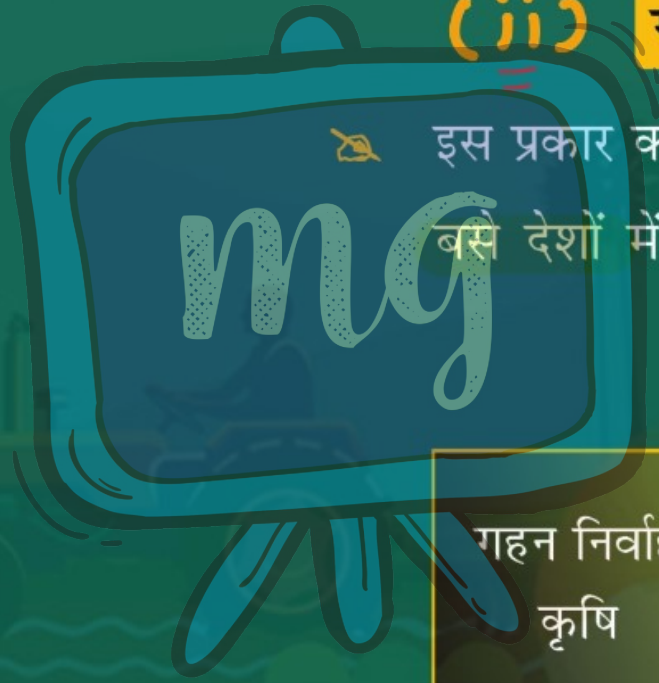


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## (ii) गहन निर्वाह कृषि

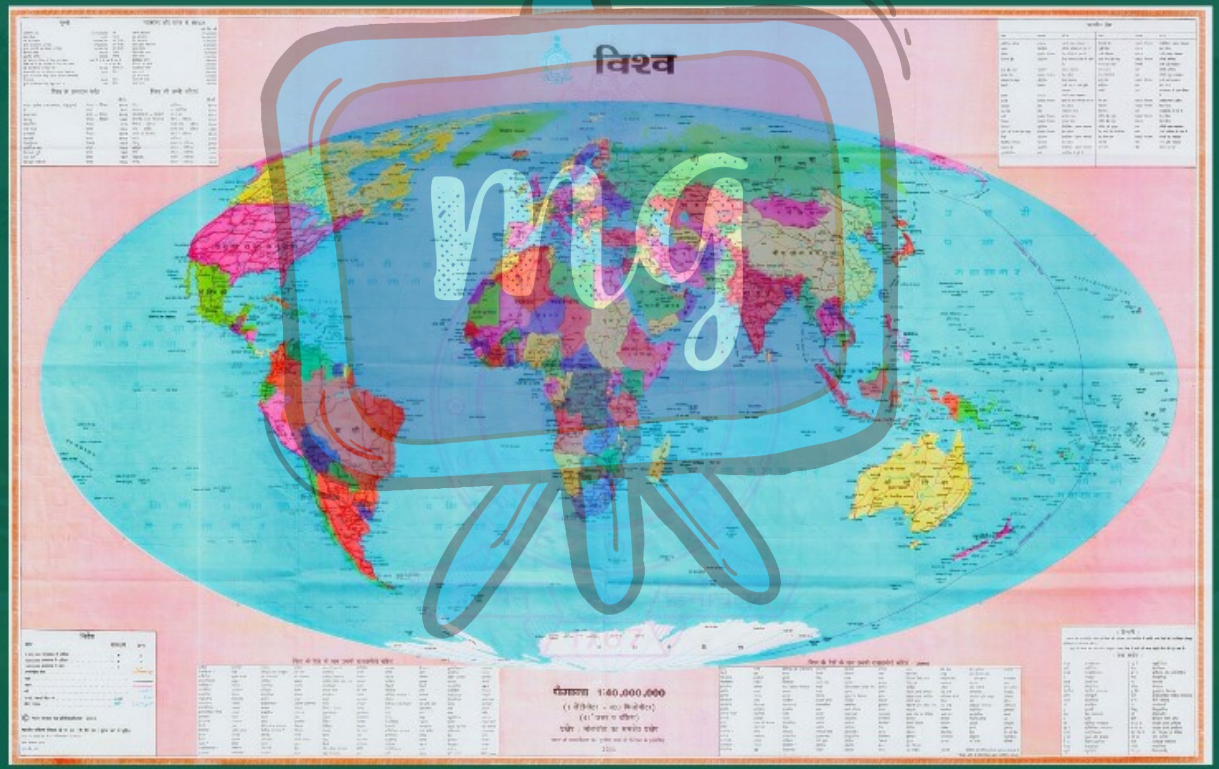
इस प्रकार की कृषि मानसून एशिया के घने बसे देशों में की जाती है।




- गहन निर्वाह कृषि
  - चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि
  - चावल रहित गहन निर्वाह कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

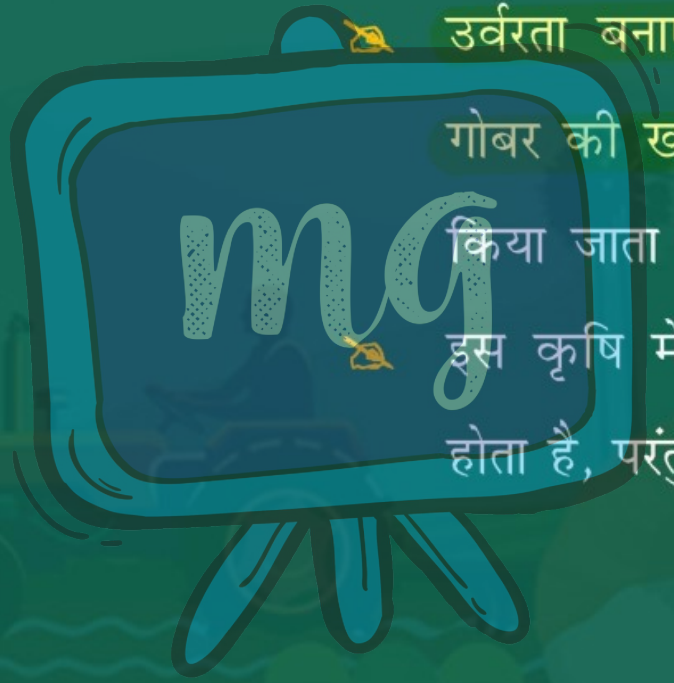


## (a) चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

- इसमें चावल प्रमुख फसल होती है।
- अधिक जनसंख्या घनत्व के कारण खेतों का आकार छोटा होता है एवं कृषि कार्य में कृषक का संपूर्ण परिवार लगा रहता है।
- भूमि का गहन उपयोग होता है एवं यंत्रों की अपेक्षा मानव श्रम का अधिक महत्त्व है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




- उर्वरता बनाए रखने के लिए पशुओं के गोबर की खाद एवं हरी खाद का उपयोग किया जाता है।
- इस कृषि में प्रति इकाई उत्पादन अधिक होता है, परंतु प्रति कृषक उत्पादन कम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

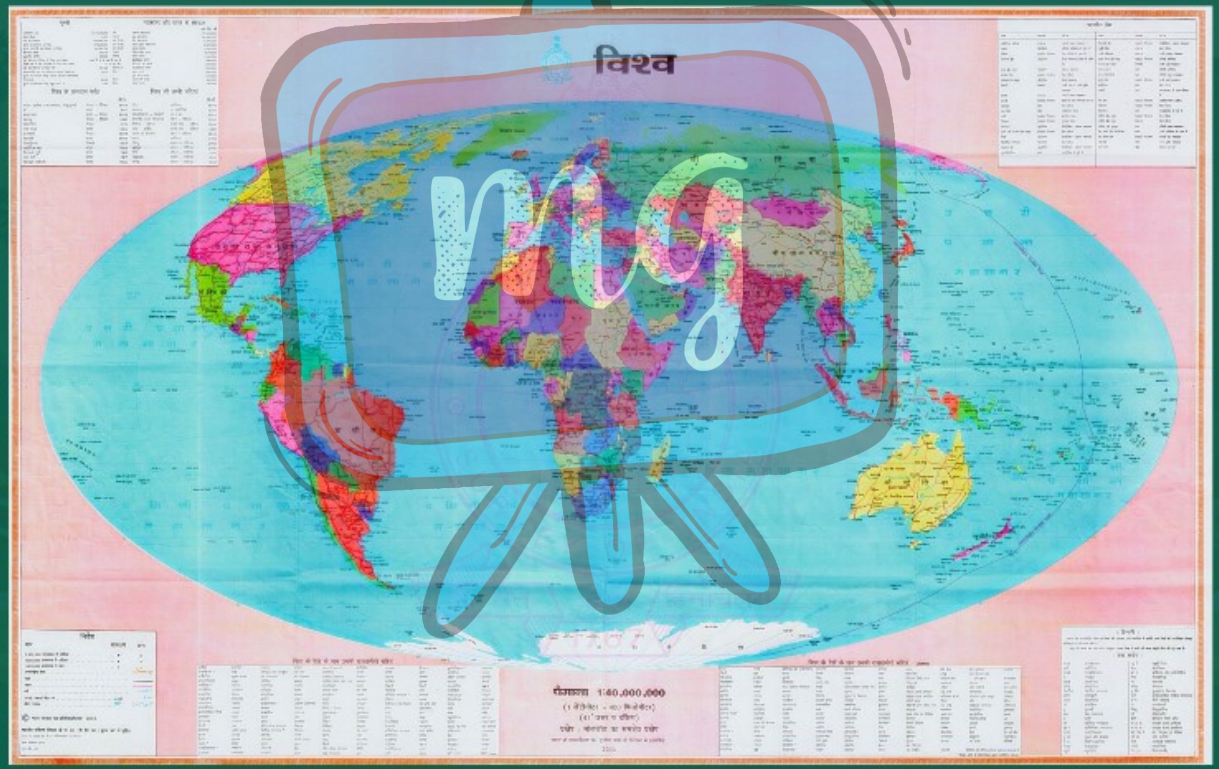
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## चावल रहित गहन निर्वाह कृषि:

- मानसून एशिया के अनेक भागों में उच्चावच, जलवायु, मृदा तथा अन्य भौगोलिक कारकों की भिन्नता के कारण धान की फसल उगाना प्रायः संभव नहीं है।
- उत्तरी चीन, मंचूरिया, उत्तरी कोरिया एवं उत्तरी जापान में गेहूँ, सोयाबीन, जौ आदि बोया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में सिंध-गंगा के मैदान के पश्चिमी भाग में गेहूँ एवं दक्षिणी व पश्चिमी शुष्क प्रदेश में ज्वार-बाजरा प्रमुख रूप से उगाया जाता है।

इस कृषि की अधिकतर विशेषताएँ वो ही है जो चावल प्रधान कृषि की हैं। केवल अंतर यह है कि इसमें सिंचाई की जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

